राजभवन उमंग

त्रैमासिक पत्रिका

रूद्राक्ष सेंटर, वाराणसी

अंक- 04 राजभवन, उत्तर प्रदेश

मई, जून, जुलाई-2021

राजभवन में कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र के लोकार्पण अवसर पर मा. राज्यपाल एवं बच्चे

अंक- 04 राजभवन, उत्तर प्रदेश

मई, जून, जुलाई-2021

राजभवन उमंग

त्रैमासिक पत्रिका

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विषय	पेज न.
1.	मा. राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द जी का कानपुर एवं लखनऊ भ्रमण	01–03
2.	मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा वाराणसी में विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास	04
3.	राजभवन के कार्यक्रम	05–13
4.	नियुक्तियां	13
5.	राजभवन से ऑनलाइन कार्यक्रम	14–28
6.	जनपदीय भ्रमण	29–38
7.	छायाचित्रों में राजभवन	39–40
8.	समाचार पत्रों में राजभवन	41–42

प्रेरणा स्रोत

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

मा. राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

"नये भारत के निर्माण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 बहुत बड़ी भूमिका निभायेगी। देश का युवा बदलाव के लिए पूरी तरह से तैयार है। कोरोना काल में कैसे हमारी शिक्षा व्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती आई, देश के विद्यार्थियों ने इस बदलाव को स्वीकार किया और आनलाइन एजूकेशन की ओर बढ़े।

देश और प्रदेश के शिक्षण संस्थानों से अपेक्षा है कि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अधिक से अधिक योगदान दें ताकि युवा पीढ़ी एक आधुनिक राष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था से जुड़ सके।"

- आनंदीबेन पटेल

प्रधान सम्पादक की कलम से...

त्रैमासिक पत्रिका का यह अंक प्रमुख रूप से कोविड–19 महामारी के प्रभावी नियंत्रण तथा महिला, वृद्ध एवं बाल विकास के लिये समर्पित है। इस अंक में माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से कोविड नियंत्रण हेतु नगर निकायों के महापौर, अध्यक्ष एवं पार्षदों, नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों, धर्माचार्यों, राज्य विश्वविद्यालयों तथा उनसे सम्बद्ध महाविद्यालयों से किये गये संवाद के परिणाम स्वरूप कोविड–19 के प्रभावी नियंत्रण हेतु ट्रेस, टेस्ट, ट्रीट एवं टीकाकरण को इस अंक में प्रमुखता से शामिल किया गया है। इस कड़ी में राज्यपाल की प्रेरणा से वोडाफोन, आइडिया फाउंडेशन, फ्लिपकार्ट एवं माधव फाउन्डेशन तथा फिनोलेक्स इंडस्ट्री के सीएसआर फण्ड का उपयोग करते हुए विभिन्न चिकित्सा संस्थानों को उपलब्ध करायें गये ऑक्सीजन कन्संट्रेटर, वेंटीलेटर, मॉस्क, सैनिटाइजर आदि समानों का विवरण भी इस अंक में दर्शाया गया है।

माननीय राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के कानपुर एवं लखनऊ आगमन तथा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा वाराणसी में विभिन्न योजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रमों को भी इस अंक के माध्यम से जन सामान्य तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही राजभवन की प्रेरणा से जनपदों में चलाये जा रहे कुपोषण एवं टी.बी. मुक्त भारत तथा महिला सशक्तीकरण, गौ संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा के कार्यक्रम भी उमंग पत्रिका का हिस्सा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश में जन जागरूकता के कार्यक्रम चल रहे हैं, जिसके सार्थक परिणाम प्रत्येक जनपद में दिखाई दे रहे है। जन सामान्य खासकर ग्रामीण महिलाओं में जागरूकता बढ़ी है तथा वे आत्मनिर्भर भी बनी हैं। इन कार्यों में स्वयं सेवी संगठनों का भी योगदान है।

कोविड–19 के कारण अनाथ हुए बच्चों के भरण पोषण हेतु "उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना" का शुभारम्भ तथा वृद्धजन दृर्व्यवहार जागरूकता कार्यक्रम के अवसर पर वृद्धजनों को राजभवन की ओर से उनके उपयोगार्थ जरूरी सामानों की भेंट तथा किये गये अन्य प्रयास भी इस अंक का हिस्सा बने हैं। इस प्रकार राज्यपाल जी की प्रेरणा से सामाजिक सरोकारों, नवाचारों, पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जन जागरूकता, बाल संरक्षण तथा कोरोना काल में अनाथ बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण आदि की दिशा में विशेष प्रयास हुए हैं। आशा है इस प्रकार के प्रयासों से हम उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में शीघ्र ही कामयाब होंगे।

महेश कुमार गुप्ता
प्रधान सम्पादक

मा0 राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द जी का कानपुर एवं लखनऊ भ्रमण

कानपुर–लखनऊ : 25–29 जून, 2021

माननीय राष्ट्रपति जी का मा0 राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल और मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 25 जून, 2021 को कानपुर रेलवे स्टेशन पर अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया।

माननीय राष्ट्रपति जी अपने पैतृक ग्राम परौंख, कानपुर देहात में आयोजित जन अभिनन्दन समारोह को सम्बोधित करते हुये।

"जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी अर्थात जन्म देने वाली माता व जन्म भूमि का गौरव स्वर्ग से भी बढ़कर होता है। मेरे गांव की मिट्टी की खुशबू, मेरे गांव के निवासियों की यादें सदैव मेरे हृदय में विद्यमान रहती हैं। अपनी मातृ भूमि पर आकर मुझे अत्यंत खुशी हो रही है। इसकी मुझे काफी समय से प्रतीक्षा थी। इस यात्रा ने मेरे अंदर ऊर्जा का संचार किया है। राष्ट्रपति भवन देश की विरासत है। प्रत्येक देशवासी को उसे देखने का अधिकार है। आप सब आकर राष्ट्रपति भवन देखें।"

–राम नाथ कोविन्द

भारत के राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द जी जनपद कानपुर देहात के पुखरायां क्षेत्र के रामस्वरूप ग्रामोद्योग इण्टर कॉलेज में आयोजित 'अभिनन्दन समारोह' को सम्बोधित करते हुए।

"मैं आप लोगों के प्यार, सहयोग, आशीर्वाद एवं देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के कारण ही आज देश का प्रथम नागरिक हूं। आप सभी लोगों के प्यार व स्नेह से मुझे जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। मेरी जीवन यात्रा में पुखरायां व कानपुर देहात की धरती एवं आप सभी लोगों का श्रेय है।" –राम नाथ कोविन्द

राजभवन, लखनऊ में 28 जून, 2021 को माननीय राष्ट्रपति जी एवं उनके परिजनों का अंग वस्त्र भेंट कर मा0 राज्यपाल जी स्वागत करते हुये।

मा0 राष्ट्रपति जी राजभवन में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए

लखनऊ स्थित लोकभवन में आयोजित समारोह में माननीय राष्ट्रपति जी ने लखनऊ में निर्मित होने वाले भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र का शिलायान्स किया।

"बाबा साहब डॉ0 भीमराव आंबेडकर के जीवन मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप समाज एवं राष्ट्र का निर्माण करने में ही हमारी वास्तविक सफलता है। इस दिशा में हमने प्रगति की है, किन्तु हमें अभी और आगे जाना है। बाबा साहब के आदर्शों पर आगे चलते हुए हम समता, समरसता, सामाजिक न्याय पर आधारित सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण में सफल होंगे।"

– राम नाथ कोविन्द

मा0 राष्ट्रपति जी, मा0 राज्यपाल जी तथा मा0मुख्यमंत्री जी राजभवन में उच्च न्यायालय प्रयागराज की लखनऊ पीठ के न्यायाधीशों के साथ।

मा0 राष्ट्रपति जी, प्रथम महिला श्रीमती सविता कोविंद जी, मा0 राज्यपाल जी तथा मा0 मुख्यमंत्री जी के साथ राजभवन परिवार की जूड़ो प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बेटियां।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा वाराणसी में विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

वाराणसी : 15 जुलाई, 2021

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने वाराणसी में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का एअर पोर्ट पर स्वागत किया तथा प्रधानमंत्री जी द्वारा वाराणसी में किये गए 1583 करोड़ रूपये की योजनाओं के लोकार्पण/शिलान्यास कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने जापान के सहयोग से निर्मित अत्याधुनिक रुद्राक्ष कन्वेंशन सेन्टर तथा बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में 100 बेड के चाइल्ड हैल्थ विंग सहित सड़क, जल परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन आदि से जुड़ी 1583 करोड़ रूपये की कुल लागत की 283 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का वाराणसी एअर पोर्ट पर स्वागत करते हुए मा0 राज्यपाल एवं मा0 मुख्यमंत्री।

मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जनपद वाराणसी में रूद्राक्ष कन्वेंशन सेन्टर का उद्घाटन करते हुए, साथ में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

वाराणसी में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करते हुए मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, साथ में मा0 राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का संदेश

राजभवन : 21 जून, 2021

मेरे प्यारे प्रदेशवासियों,

सबसे पहले मैं आप सभी को सातवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूँ।

योग दुनिया को भारत की ओर से दिया गया एक अमूल्य उपहार है। योग अंधेरे में प्रकाश है, जो मानव के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

योग आसनों के माध्यम से हम शारीरिक अभ्यास द्वारा अपने पाचन तंत्र, श्वसन प्रणाली, संचार प्रणाली और अन्य अंगों को व्यवस्थित रख सकते हैं। जब शरीर स्वस्थ होगा तो मन भी स्वस्थ होगा। योग दिवस मानव चेतना और भलाई के लिए व्यापक रूप से मनाया जाने वाला एक पर्व है। आज दुनिया योग के फायदे को महसूस कर रही है।

27 सितम्बर, 2014 को पांच हजार साल से अधिक पुरानी विरासत 'भारतीय योग' को देश के प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र संघ के समक्ष इस मन्तव्य के साथ रखा कि 'योग प्राचीन भारतीय परम्परा एवं संस्कृति की अमूल्य देन है। योग मन और शरीर, विचार और कर्म, संयम और संतोष की एकात्मता का प्रतीक है। यह स्वास्थ्य और खुशहाली सुनिश्चित करने की एक कारगर प्रणाली है।'

इसके बाद 11 दिसम्बर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। 21 जून साल का सबसे बड़ा दिन होता है और इस दिन सूरज, रोशनी और प्रकृति का धरती से विशेष संबंध होता है।

कोविड–19 के परिप्रेक्ष्य में आज योग विश्व को अपने साथ जोड़ने में बहुत बड़ी भूमिका निभा रहा है। योग रोग प्रतिरक्षा को बढ़ाने और जीवन के संतुलन को बनाये रखने में सबसे प्रभावी स्वास्थ्य साधन के रूप में उभरा है। योग एक पावर बूस्टर है, इम्युनिटी बूस्टर है, जो शरीर में ऊर्जा और इम्युनिटी को बढ़ाता है। योग बाहर और भीतर दोनों तरह के वायरस से लड़ने की क्षमता रखता है।

इस वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'Be with Yoga. Be at Home' की थीम दी गई है। आप सभी योग के साथ रहें, घर पर रहें का सिद्धान्त अपनाते हुए योगाभ्यास करें। योग के तमाम लाभों को देखते हुए बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी सदस्य योगाभ्यास कर सकते हैं।

आशा करती हूँ कि सभी लोग 21 जून, 2021 को प्रातः घर में परिवार के साथ रहकर कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुरूप योगाभ्यास करते हुए सप्तम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनायेंगे।

मैं प्रदेश के निवासियों को सप्तम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पुनः शुभकामनाएं देती हूँ। सभी के मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने की कामना करती हूँ। केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार ने जो प्रोटोकाल निर्धारित किये हैं, उनका पालन करते रहें और स्वस्थ रहें।

धन्यवाद।

राजभवन में कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र का लोकार्पण

राजभवन : 20 जुलाई, 2021

❖ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में स्थापित कम्प्यूटर केन्द्र का लोकार्पण किया तथा राजभवन परिसर में रह रहे बच्चों के लिये कम्प्यूटर प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया। इस प्रशिक्षण केन्द्र में एक बार में 20 बच्चे प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे।

❖ प्रशिक्षण हेतु प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को प्रतिमाह 100 रूपये शुल्क देय होगा तथा प्रशिक्षण के लिये समय सारणी बनायी जायेगी। प्रत्येक विद्यार्थी को आवंटित समयानुसार ही प्रशिक्षण केन्द्र पर उपस्थित होना होगा तथा प्रत्येक 3 माह बाद परीक्षा का आयोजन भी किया जायेगा। शुल्क का संग्रह एवं लेखा जोखा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चों द्वारा ही किया जायेगा।

कम्प्यूटर का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चों के साथ राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

राजभवन में स्थापित कम्प्यूटर केन्द्र का लोकार्पण करते हुए मा0 राज्यपाल।

कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारम्भ करती हुईं मा0 राज्यपाल।

राजभवन में नवनिर्मित 'पंचतंत्र वन' का लोकार्पण

राजभवन : 31 जुलाई, 2021

❖ राजभवन मे नवनिर्मित "पंचतंत्र वन" का लोकार्पण राजभवन के अधिकारियों, कर्मचारियों, राजभवन परिसर मे अधिवासित परिवारों एवं बच्चों की स्नेहमयी उपस्थिति में मा0 राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के कर–कमलों द्वारा किया गया। "पंचतंत्र वन" में पंडित विष्णुकांत रचित पंचतंत्र की कहानियों के माध्यम से वन्यजीवों के परस्पर साहचर्य, समरसता, सहजीवन एवं साहसिक विकास की जीवन पद्धति एवं पर्यावरण, जिनका मानव जीवन से सीधा संबंध है, का अनोखा प्रदर्शन किया गया है।

'पंचतंत्र वन' का लोकार्पण करती हुई राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

'पंचतंत्र वन' का अवलोकन करती हुई राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

राजभवन की महिलाओं एवं बालिकाओं हेतु चिकनकारी एवं ड्रेस मेकिंग का प्रशिक्षण सम्पन्न

राजभवन : 31 जुलाई, 2021

❖ राज्यपाल जी की प्रेरणा से राजभवन की 32 महिलाओं एवं बालिकाओं को आस्मा हुसैन इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी द्वारा दी गयी स्किल डेवलेपमेंट ट्रेनिंग चिकनकारी एवं ड्रेस मेकिंग प्रशिक्षण की समाप्ति पर उन्हें प्रमाण–पत्र तथा सिलाई मशीन प्रदान की गयी।।

❖ प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं द्वारा तैयार किये गये उत्पादों की प्रदर्शनी का प्रदर्शन राजभवन में किया गया, जिसको देखकर राज्यपाल जी ने उनके कार्यों की प्रशंसा की।

"प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाएं एवं बालिकाएं घर में न बैठें बल्कि बाजार की मांग के अनुसार नयी डिजाइन के गुणवत्तायुक्त परिधान तैयार करें। ऐसा करने से उनकी आमदनी बढ़ेगी और वे आत्मनिर्भर होंगी। आज महिलाओं में स्वावलंबन की भावना जगी है, इसमें स्वयं सहायता समूह अभियान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नयी शिक्षा नीति में भी कक्षा 6 से हुनर सीखने की व्यवस्था है। इससे आगे चलकर बच्चों के जीवन में क्रान्तिकारी बदलाव एवं आत्म विश्वास आयेगा" **–आनंदीबेन पटेल**

आत्मनिर्भर भारत तथा युवा स्वावलम्बन पर राजभवन में प्रस्तुतीकरण

राजभवन : 22 जुलाई, 2021

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात के प्रस्तुतीकरण के दौरान मा0 राज्यपाल।

"उद्यमिता विकास कार्यक्रम उद्यमियों को विकसित करने का एक प्रभावी तरीका है, जो सामाजिक-आर्थिक विकास, संतुलित क्षेत्रीय विकास तथा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा देने में मदद करता है। हमें उत्तर प्रदेश के बच्चों को स्वावलम्बी बनाने के लिये हर सम्भव उपाय करने हैं। अतः उद्यमिता विकास को बढ़ावा देने के लिये राज्य विश्वविद्यालय और प्रदेश का एम.एस.एम.ई. विभाग आगे आकर रोजगार स्थापना की पहल के लिये प्रयास करें तथा इस कार्य के लिये उद्यमिता विकास संस्थानों का सहयोग भी लिया जाये। उत्तर प्रदेश के बच्चे मेहनती हैं, लगनशील हैं तथा कार्य करने के इच्छुक भी हैं, आवश्यकता है उन्हे उचित मार्गदर्शन तथा प्रोत्साहन की। इस कार्य को विश्वविद्यालय आसानी से कर सकते हैं। इसलिये अधिक से अधिक रोजगार प्रोत्साहन के पाठ्यक्रम भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के माध्यम से चलाये जाये। सही व्यक्ति को उद्यमिता के लिये कैसे तैयार करें इस पर गम्भीरता से विचार करने की जरूरत है।"

-आनंदीबेन पटेल

लखनऊ के 5 चिकित्सा संस्थानों को 30 वेंटिलेटर मिले

राजभवन : 3 मई, 2021

❖ राज्यपाल की प्रेरणा से फ्लिपकार्ट संस्था ने 5 चिकित्सा संस्थानों को 30 वेंटिलेटर उपलब्ध कराये, जिसकी कुल लागत एक करोड़ सत्तर लाख रूपये थी, जिसको लखनऊ के निम्न चिकित्सा संस्थानों को दिया गया।

चिकित्सा संस्थान	वेंटीलेटर
एस.जी.पी.जी.आई. लखनऊ	7
के.जी.एम.यू. लखनऊ	7
राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान	5
कैंसर इंस्टीट्यूट लखनऊ	5
बलरामपुर अस्पताल लखनऊ	6
कुल	30

❖ संस्था द्वारा जिला कारागार लखनऊ को 05 Manual Sanitary Napkin Vinding Machine Vend-10 एवं 05 Sanitary Napkin Disposal Machine HH-200 उपलब्ध करायी गई।

वोडाफोन आइडिया फाउण्डेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअली सम्बोधन

राजभवन : 9 मई, 2021

❖ राज्यपाल की प्रेरणा से वोडाफोन आइडिया फाउण्डेशन द्वारा प्रदेश के निम्न पांच जिलों की महिला जेलों में सजा काट रही महिलाओं के उपयोगार्थ 05 मेनुअल सेनेटरी नैपकिन वैंडिंग मशीन तथा 05 सेनेटरी नैपकिन डिस्पोजल मशीन उपलब्ध करायी गयी है, जिसकी लागत कुल डेढ़ लाख रूपये थी।

जनपद	मेनुअल सेनेटरी नैपकिन वैंडिंग मशीन	सेनेटरी नैपकिन डिस्पोजल मशीन
बनारस	1	1
गोरखपुर	1	1
लखनऊ	1	1
मुरादाबाद	1	1
उन्नाव	1	1

"प्राइवेट संस्थानों को अपने सी0एस0आर फंड का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, MSME एवं ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये किया जाना चाहिये।"
–आनंदीबेन पटेल

सामाजिक एवं स्वयं सेवी संगठन जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं

राजभवन: 31 मई, 2021

❖ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से इण्डियन रेडक्रास सोसाइटी उत्तर प्रदेश राज्य शाखा द्वारा कोविड–19 प्रभावित प्रदेश के 11 जनपदों (लखनऊ, कानपुर नगर, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, अमेठी, रायबरेली, बाराबंकी, अयोध्या एवं बहराइच) को भेजे जाने वाली राहत सामग्री के वाहनों को राज्यपाल जी ने राजभवन से झण्डी दिखाकर रवाना किया।

❖ राहत सामग्री में ऑक्सीजन कन्संट्रेटर, आक्सीमीटर, सैनिटाइजर, मास्क, मेडिकल गॉउन तथा साबुन आदि सम्मिलित था।

रेडक्रास सोसायटी के कोरोना राहत सामग्री वाहनों को राजभवन से रवाना करते हुए राज्यपाल जी।

"कोरोना संकट के समय में सामाजिक एवं स्वयं सेवी संगठनों को लोगों की मदद के लिए आगे आना चाहिए ताकि जरूरतमंदो की मदद की जा सके।"
– राज्यपाल

18 जून, 2021

ममता चैरिटेबिल ट्रस्ट द्वारा आयोजित लखनऊ शहर को कोविड मुक्त करने के सेनेटाईजेशन महाअभियान के वाहनों को राजभवन से रवाना करतीं मा० राज्यपाल।

राज्यपाल की प्रेरणा से दान किए गए 25 ऑक्सीजन कंसेंट्रटर और 16 वेंटिलेटर

राजभवन : 15 मई 2021

❖ फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने सी. एस.आर. पार्टनर मुकुल माधव फाउंडेशन के सहयोग से चिकित्सालयों के सहायतार्थ 15 ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर और12 वेंटिलेटर उपलब्ध कराये हैं जिन्हें लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, एस.जी.पी.जी.आई., आर.एम.एल. आयुर्विज्ञान संस्थान, राज्य कैंसर संस्थान, लोकबंधु अस्पताल को कोविड रोगियों के उपचार हेतु सौप दिया गया।

❖ माधव फाउंडेशन द्वारा प्रत्येक संस्थान को किट के रूप में 250 मास्क, 250 दस्ताने, 100 पीपीई सूट, 2 थर्मोस्कैनर, 2 ऑक्सीमीटर, 300 स्ट्रिप्स पेरासिटामोल तथा 25 ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर और उपलब्ध कराये जा रहे हैं। मुकुल माधव फाउंडेशन द्वारा 5–5 ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर और 2–2 वेंटिलेटर सिद्धार्थनगर और गोरखपुर जिलों में उपलब्ध कराये गये हैं।

❐❐

मा0 राज्यपाल द्वारा नियुक्त किये गये कुलपतियों का विवरण

क्र0	विश्वविद्यालय का नाम	नियुक्त कुलपति	नियुक्त आदेश की तिथि
1.	सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी	प्रो. हरे राम त्रिपाठी	09.06.2021
2.	महात्मागांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी	प्रो. आनन्द कुमार त्यागी	16.06.2021
3	सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर	प्रो. हरि बहादुर श्रीवास्तव	28.06.2021

❐❐

मा0 राज्यपाल एवं मा0 मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों के साथ वर्चुअली संवाद

राजभवन : 28 मई, 2021

- प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में 58,000 से अधिक नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों से संवाद कर ग्राम प्रधानों से गांवों में कोरोना प्रबन्धन, बचाव एवं उपचार की जानकारी ली तथा ग्राम प्रधानों से 'मेरा गांव कोरोना मुक्त गांव' के संदेश के साथ–साथ कोविड टीकाकरण कराने की अपील की।
- सभी ग्राम प्रधान कार्य योजना बनाकर प्राथमिकताएं तय करते हुए केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक पहुचाएं।
- पंचायत भवनों में ग्राम सचिवालय बनाकर कम्प्यूटर व इण्टरनेट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

"गरीबी दूर करने और विकास की ऊंचाइयों तक पहुंचने में शिक्षा महत्वपूर्ण है। ग्राम प्रधान यह भी देखें कि सभी बच्चे शिक्षा की सुविधा का लाभ उठाएं। इस कार्य में आंगनबाड़ी कार्यकत्री और आशा वर्कर को भी सहभागी बनाये।"
–आनंदीबेन पटेल

"ग्राम प्रधान गांवों को 'स्मार्ट विलेज' बनाने की दिशा में प्रयास करें। गांवों में विद्यालय हो, खेल का मैदान हो, ओपेन जिम हो, चिकित्सालय हो, सड़क हो, स्वच्छता हो। पंचायत भवनों को ग्राम सचिवालय के रूप में विकसित किया जाए। कॉमन सर्विस सेण्टर के माध्यम से निःशुल्क टीकाकरण हेतु कोविन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की कार्यवाही की जाए।"
–योगी आदित्यनाथ

समस्त नगरीय स्थानीय निकायों के महापौर, नगर निकाय के अध्यक्षों एवं पार्षदगणों से वर्चुअली संवाद

राजभवन : 03 जून, 2021

- राज्यपाल जी एवं मुख्यमंत्री जी ने 17 नगर निगम, 700 से अधिक अन्य नगरीय निकाय और 12,000 से अधिक पार्षदों से संवाद किया।
- राज्यपाल ने महापौर, नगरीय निकायों के अध्यक्षों एवं पार्षदों को अपने–अपने क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल, सीवेज, सड़क, जल–निकासी के साथ–साथ सॉलिड वेस्ट मैजेजमेंट की व्यवस्था करने के निर्देश दिये और कोविड से हुये अनाथ बच्चों को गोद लेने की अपील की तथा कोविड, विषाणु एवं जल जनित बीमारियों के संक्रमण को रोकने हेतु स्वच्छता एवं सेनेटाइजेशन जैसे कार्य करने के निर्देश दिये।

महापौर, नगर निकाय के अध्यक्षों एवं पार्षदगणों से वर्चुअली संवाद करते हुए राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

"सभी सी0एच0सी0, पी0एच0सी0, आंगनवाड़ी और प्राथमिक विद्यालयों में नियमित साफ–सफाई की व्यवस्था की जाए। ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया जाए। सम्भावित तीसरी लहर के बारे में आशंका व्यक्त की जा रही है कि यह बच्चों को प्रभावित करेगी। इसलिए जरूरी है कि महापौर, अध्यक्ष एवं पार्षदगण माताओं का सम्मेलन करें और माताओं को इस संबंध में जागरूक करें।"

– आनंदीबेन पटेल

"प्रधानमंत्री जी के कुशल मार्गदर्शन में देश और प्रदेश ने कोरोना की पहली लहर को नियंत्रित करने में विजय प्राप्त की। कोविड संक्रमण की दूसरी लहर में स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों ने प्रतिबद्धता के साथ कोरोना के खिलाफ लड़ाई को मजबूती से लड़ने में सराहनीय योगदान दिया, जिसमें मोहल्ला निगरानी समितियों ने काफी अच्छा कार्य किया।"

–योगी आदित्यनाथ

विश्वविद्यालयों की आनलाइन समीक्षा बैठक

राजभवन : 31 मई – 2 जुलाई 2021

❖ राज्य विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान किये जाने तथा पारदर्शी कार्यप्रणाली विकसित करने के लिए 31 मई, 2021 से 2 जुलाई, 2021 तक मा. राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी की अध्यक्षता में आनलाइन 31 समीक्षा बैठक कर कुलपति, कुलसचिव, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक एवं विश्वविद्यालय में संचालित महिला अध्ययन केन्द्र के प्रभारी के साथ चर्चा की गयी।

राज्य विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठकें

क्रम	विश्वविद्यालय का नाम	बैठक दिनांक
1.	दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर	31.05.2021
2.	चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ	31.05.2021
3.	उत्तर प्रदेश हरकोर्ट प्राविधिक विश्वविद्यालय, कानपुर	01.06.2021
4.	प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज	01.06.2021
5.	डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा	02.06.2021
6.	ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ	02.06.2021
7.	सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर	07.06.2021
8.	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ	07.06.2021
9.	महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली	08.06.2021
10.	बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा	08.06.2021
11.	छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानुपर	09.06.2021
12.	वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर	09.06.2021
13.	लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	15.06.2021
14.	भातखण्डे संगीत संस्थान अभिमत विश्वविद्यालय, लखनऊ	15.06.2021
15.	उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	16.06.2021
16.	डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या	16.06.2021
17.	जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया	17.06.2021
18.	सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी	17.06.2021
19.	आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या	21.06.2021
20.	चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर	21.06.2021
21.	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ	22.06.2021
22.	उ.प्र. पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा	22.06.2021
23.	बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी	23.06.2021
24.	महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी	23.06.2021

25.	वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर	25.06.2021 (ऑफलाइन)
26.	मदन मोहन मालवीय प्राविधिक विश्वविद्यालय, गोरखपुर	26.06.2021
27.	डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ	26.06.2021
28.	संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ	30.06.2021
29.	डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ	30.06.2021
30	किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ	02.07.2021
31	अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ	02.07.2021

- समीक्षा बैठक में विश्वविद्यालयों में अकादमिक सत्र प्रारम्भ करने शैक्षणिक पदों पर भर्ती, आडिट आपत्तियों, उपाधियों का सुव्यस्थित ढंग से वितरण, महिला उत्थान की गतिविधियां, विश्वविद्यालयों में चल रहे निर्माण कार्य, नयी शिक्षा नीति तथा कोविड टीकाकरण आदि विषयों पर विस्तृत विचार–विमर्श किया गया।
- विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2021–22 हेतु समय–सारणी बनाकर शिक्षण एवं अन्य गतिविधियां संचालित करें।
- विश्वविद्यालयों में रिक्त शैक्षणिक पदों पर भर्ती हेतु एक समान चयन प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ अपनायी जाय तथा शासन द्वारा निर्धारित नियुक्ति नियमावली का पालन करते हुये रोस्टर के अनुसार नियुक्ति हेतु विज्ञापन जारी करें, जिसमें नियुक्ति प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लेख हो।
- विश्वविद्यालय अपने वित्तीय अभिलेख नियमानुसार रखें, आडिट आपत्तियों का समयबद्ध निराकरण करें तथा किसी भी दशा में आडिट आपत्तियों की पुनरावृत्ति न हो। प्रत्येक दशा में कैश बुक तथा बैलेंस सीट नियमित रूप से तैयार की जाय।
- दीक्षान्त समारोह के पश्चात विश्वविद्यालय तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों के सभी छात्रों की उपाधियां तत्काल उपलब्ध करा दी जाय साथ ही विश्वविद्यालय डिजीटल लाकर जैसी अद्यतन तकनीकी सुविधा का छात्र हित में प्रयोग करें।
- विश्वविद्यालय मात्र शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान बनकर न रहें। विश्वविद्यालय में

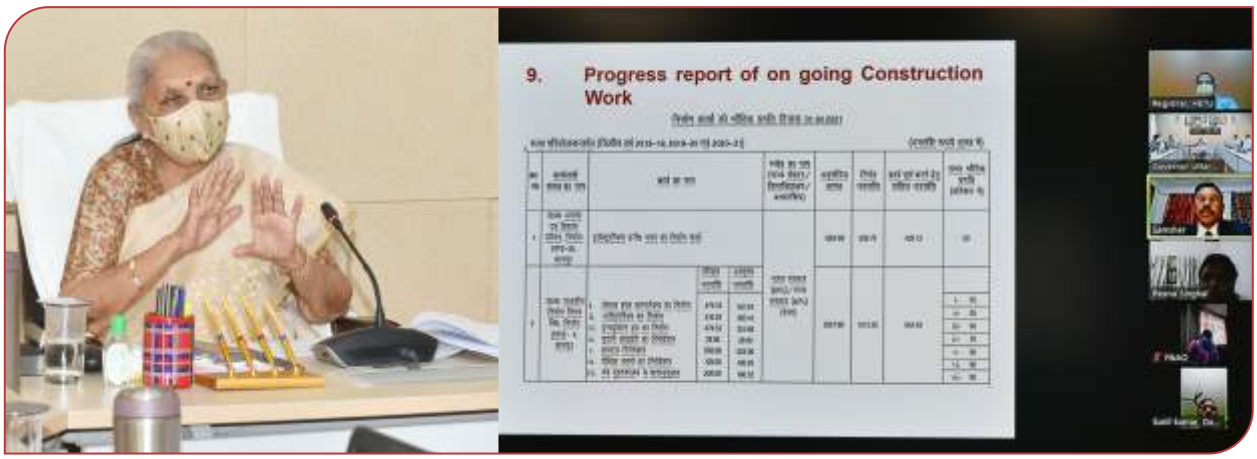

संचालित महिला अध्ययन केन्द्र मात्र औपचारिक केन्द्र बनकर न रहें। अपने क्षेत्र के झोपड़पट्टी, गांव या नगरीय क्षेत्र में निवास करने वाली महिलाओं के महिला एवं बाल विकास समूह बनाकर उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वावलम्बन, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु प्रेरित करें। साथ ही राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित महिलाओं को रोल मॉडल प्रस्तुत कर महिलाओं एवं छात्राओं से विचार–विमर्श कराया जाय।

- ❖ महिलाओं एवं छात्राओं को सरकारी कार्यालयों, महिला चिकित्सलयों, थानों, नारी निकेतन जैसे स्थानों पर भ्रमण कराया जाय, जिससे वे वहां की कार्य पद्धति एवं विषयों को जान सकें तथा भावी जीवन में होने वाली समस्याओं एवं जिम्मेदारियों का समाधान आसानी से कर सकें।
- ❖ पंचायती चुनाव में बड़ी संख्या में महिला प्रधान चुनकर आयी हैं उनमें आत्मविश्वास पैदा करने के लिये तथा हिचक समाप्त करने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम चलायें साथ ही उन्हें सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दें ताकि वे अपनी ग्राम सभा में योजनाओं को लागू करने तथा शत–प्रतिशत टीकाकरण कराने के साथ–साथ उसे कुपोषण व क्षयरोग मुक्त ग्राम सभा बना सकें।
- ❖ विश्वविद्यालयों के सभी छात्र–छात्रायें, शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी स्वयं और अपने परिवार के सभी सदस्यों का कोरोना टीकारण करायें। विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा अंगीकृत गांव का शत–प्रतिशत टीकाकरण हो।
- ❖ विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालय आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों की सहायतार्थ शिक्षण, खेलकूद एवं पोषण सामग्री उपलब्ध करायें। क्षय रोग से पीड़ित बच्चों को गोद लें बीच में शिक्षा छोड़ने वाले बच्चों तथा कोविड के कारण अनाथ हुये बच्चों की शिक्षा हेतु विश्वविद्यालय प्रबन्ध करें।
- ❖ 21 जून को योग दिवस का आयोजन करें तथा प्रदेश सरकार के वृहद वृक्षारोपण महाअभियान में तैयारी कर विश्वविद्यालय तथा सम्बद्ध महाविद्यालय 1–1 लाख पीपल के पौधों का वृक्षारोपण करें।

❐❐

विश्वविद्यालयों में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

राजभवन : 1 जुलाई, 2021

- ❖ समस्त कार्यदायी संस्थाएं विश्वविद्यालय में चल रहे निर्माण कार्यों को समयबद्धता एवं पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करना सुनिश्चित करें। किसी भी दशा में निर्माण कार्य की लागत धनराशि एवं समय सीमा में परिवर्तन नहीं होना चाहिए।
- ❖ कुलाधिपति ने कुलपति को निर्देश दिये कि विश्वविद्यालय में चल रहे निर्माण कार्यों के अनुश्रवण हेतु कमेटी का गठन कर प्रति माह राजभवन को कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें।
- ❖ किसी निर्माण कार्य के लिए जब कार्य योजना बनती है तो उसको विश्वविद्यालय में शुरू करने से पूर्व समस्त कुलपति कार्यदायी संस्था से उसके कार्य की पूर्ण गुणवत्ता एवं समयबद्धता से पूर्ण करने हेतु वन टाइम एग्रीमेंट करने के साथ–साथ उसके अनुश्रवण हेतु तकनीकी विंग के साथ समय–समय पर कार्य की प्रगति एवं समय की समीक्षा भी करें।
- ❖ कार्य शुरू करने से पूर्व डिजाइन के संबंध में भली प्रकार विचार–विमर्श कर लिया जाय ताकि बाद में डिजाइन के परिवर्तन में किसी प्रकार की गुंजाइश न रहे।
- ❖ निर्माण कार्य शुरू करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करें तथा यदि कहीं से अनापित्त प्रमाण पत्र लिया जाना है तो समयानुसार उसे भी प्राप्त कर लें।
- ❖ राजभवन द्वारा मांगी गयी सभी सूचनाएं निर्धारित समय सीमा तथा निर्धारित फार्मेट पर भेजें तथा भेजने से पूर्व इस बात को सुनिश्चित कर लिया जाय कि भेजी जा रही सूचनाएं पूर्णतया सत्य हैं।

राज्यपाल की अध्यक्षता में विश्वविद्यालयों में चल रहे निर्माण कार्यों की ऑनलाइन समीक्षा बैठक

प्रोजेक्ट युग परिवर्तन वैश्विक शिखर सम्मेलन–2021' विषयक वेबिनार

राजभवन : 5 जून, 2021

डिफाइण्ड वैल्यूज कन्सलटेंट प्रा० लि०, दिल्ली द्वारा आयोजित वेबिनार को राजभवन से सम्बोधित करते हुए मा० राज्यपाल।

परिवर्तन प्रकृति का एक शास्वत नियम है। मानव समाज भी बदलाव के कालचक्र से अछूता नहीं है। समय एवं आवश्यकताओं की दृष्टि से परिवर्तन होना सृष्टि से सामंजस्य बनाने की महत्वपूर्ण कड़ी है। राष्ट्रीय परिस्थितियों और स्थायी विकास प्राथमिकताओं के आधार पर हो रहे बदलाव और परिवर्तनों को सभी को स्वीकार करने के साथ उसमें अपना–अपना योगदान देना चाहिए।

हमारे ऋषियों, मुनियों, संतों और गुरूजनों द्वारा सदैव बताया गया है कि आत्मा में परमात्मा का वास होता है। व्यवहारिक रूप से हम सभी लोग इस बात का अनुभव करते रहते हैं कि जब कभी भी हम अनुचित आचरण की ओर कदम उठाते हैं तो आत्मा रूपी परमात्मा हमें आगाह अवश्य करता है।

पर्यावरण की समस्याएं आज पूरे विश्व के लिये चिन्ता का विषय बनती जा रही है। अनियोजित विकास एवं मानव की लालची प्रवृत्ति ने प्रकृति का शोषण एवं दोहन किया है।

दुनिया के कई पर्यावरणविदों का मानना है कि महामारी कोरोना (कोविड–19) का संक्रमण इंसान द्वारा प्रकृति से की गई छेड़छाड़ का ही नतीजा है। कोरोना ने मानव के समक्ष समस्याएं तो उत्पन्न की हैं लेकिन अपने परिवेश और पर्यावरण के प्रति सचेत भी किया है। भारतीय जीवन पद्धति प्रकृति की रक्षा के विज्ञान पर आधारित है, जिसे विश्व ने भी माना है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 21वीं सदी को भारत की सदी बनाने हेतु एक मार्ग दिखाया है, 'आत्मनिर्भर भारत'। आज पूरा विश्व भारत को आशा भरी नजरों से देख रहा है। संकट को अवसर में बदलकर हम नये भारत का निर्माण कर सकते हैं। जिन वस्तुओं के लिये हम अभी तक अन्य देशों पर निर्भर थे, उनका निर्माण कर हम न केवल अपनी मांग की पूर्ति कर सकते हैं बल्कि निर्यात कर देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर सकते हैं। हमें अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पादों का प्रयोग करना चाहिए और उनका प्रचार–प्रसार करना चाहिए, जिससे वे भी लोकल से ग्लोबल उत्पाद बन सकें। हमें अपने आत्मबल से देश एवं प्रदेश को आगे बढ़ाना है।

"Millets as Smart Food: Harnessing Opportunities to Boost Immunity and Nutritional Security" विषयक वेबिनार

राजभवन : 14 जून, 2021

कोविड महामारी को दृष्टिगत रखते हुए आज प्रत्येक इंसान अपने 'इम्यून सिस्टम' यानी रोग प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत करने में लगा रहता है। अब कोरोना के बाद मोटा अनाज 'इम्यूनिटी बूस्टर' के रूप में बहुत प्रसिद्ध हो रहा है। हमारे देश में हरित क्रांति के बाद आई खाद्य सम्पन्नता ने मोटे अनाजों से लोगों को दूर कर दिया। आज पूरी दुनिया इसी मोटे अनाज की ओर फिर वापस लौट रही है। मोटे अनाज में सामान्य तौर पर ज्वार, बाजरा, रागी, जौ, कोदों, सांवा, कुटकी जैसे अनाज शामिल था। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी मोटे अनाजों की मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है।

देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मोटे अनाजों की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने पर बल दिया है। हमारे देश में साठ के दशक से पहले तक मोटे अनाज की खेती की परम्परा थी और प्रचुर मात्रा में इनका उत्पादन भी होता था। एक अनुमान के मुताबिक देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन में मोटे अनाज की हिस्सेदारी चालीस फीसदी थी।

उत्तर प्रदेश का बुन्देलखण्ड क्षेत्र तथा दक्षिण–पश्चिम का मैदानी क्षेत्र इन फसलों की खेती हेतु सर्वथा उपयुक्त है। मोटे अनाज के फसल उत्पादन के साथ मूल्य संवर्धन एवं खाद्य प्रसंस्करण आवश्यक प्रक्रिया बन गई है। अतः हमें इस प्रकार के अनुसंधान की आवश्यकता है, जिससे इन फसल उत्पादों को सहजता के साथ मूल्य संवर्धन किया जा सकें तथा कृषकों के स्तर से ही अथवा ब्लाक स्तर पर प्रसंस्करण की सुविधा उपलब्ध की जाये।

कोरोना संक्रमण के दौरान भी इन विषम परिस्थितियों में भी हमारे कृषक बंधुओं, वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने पूरे मनोयोग से कार्य किया, जिसके फलस्वरूप वर्तमान में पूर्व वर्षों की तुलना में कहीं अधिक खाद्यान्न उत्पादन प्राप्त हुआ है।

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) द्वारा स्थापना दिवस पर आयोजित मोटे अनाज विषयक वेबिनार को सम्बोधित करते हुये मा0 राज्यपाल।

भारतीय मूल के अमेरिकी चिकित्सकों का सम्मेलन

राजभवन : 04 जुलाई, 2021

अटलांटा (अमेरिका) में आयोजित अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन (आपी) के 39वें सम्मेलन को राजभवन लखनऊ से आनलाइन सम्बोधित करते हुये मा0 राज्यपाल।

"जब हम अस्वस्थ होते हैं तो हमें चिकित्सकीय सलाह की आवश्यकता होती है। ऐसे कठिन समय में रोगी एवं उसके परिवार के लिये चिकित्सक ही उम्मीद की किरण होते हैं, जो जीवन में खुशियों का संचार करते हैं। भारत हमेशा से ही स्वास्थ्य और स्वच्छता के मुद्दों के प्रति बहुत संवेदनशील रहा है। हमारा मानना है कि रोकथाम उपचार से बेहतर है। इसके लिये प्राचीन काल से हमारे देश में योग और आयुर्वेद की परम्परा रही है। विश्व ने योग की ताकत को समझा है तथा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुरूआत हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सक्षम नेतृत्व में स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी परिवर्तन हुये हैं। कोरोना काल में मेक इन इण्डिया की अवधारणा को बल मिला है, जिससे हमने भारतीय वैक्सीन का निर्माण कर अपनी चिकित्सकीय एवं वैज्ञानिक क्षमता का परिचय दिया है। वर्ष 2014 की तुलना में 6 एम्स के सापेक्ष अब 15 एम्स हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं हेतु बजट दोगुना हुआ है। केन्द्र एवं राज्य सरकारें सभी नागरिकों को निःशुल्क वैक्सीन लगाने का कार्य प्राथमिकता से कर रही है।"

–आनंदीबेन पटेल

बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'क्षमता संवर्धन कार्यशाला' का ऑनलाइन उद्घाटन

राजभवन भोपाल : 6 जुलाई 2021

❖ उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन, भोपाल से बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा द्वारा बांदा जिले की नव–निर्वाचित महिला ग्राम प्रधानों के लिये आयोजित 'क्षमता संवर्धन कार्यशाला' का ऑनलाइन उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल जी ने नव–निर्वाचित महिला ग्राम प्रधानों को बधाई दी।

नव–निर्वाचित महिला ग्राम प्रधानों को सम्बोधित करते हुये मा0 राज्यपाल।

"वर्तमान में ग्राम पंचायत चुनाव में 33 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएं ग्राम प्रधान निर्वाचित हुई हैं। अभी तक जो महिलायें केवल घर का काम करती थी अब वे ग्राम प्रधान बनी हैं। महिला ग्राम प्रधान पूरे गांव की मां होती है इसलिये ग्राम सभा से जुड़े समस्त विकास कार्यो की जानकारी उन्हें होनी चाहिए। महिला ग्राम प्रधान अपनी ग्राम सभा के प्राथमिक स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुदृढ़ करें तथा केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लोगों को अपनी ग्राम सभा में दिलाने के साथ ही अपनी ग्राम सभा को क्षयरोग एवं कुपोषण मुक्त करने में सक्रिय भागीदारी निभायें। ग्राम प्रधान अपने ग्राम में बेटियों की एनीमिया जांच कराने, गर्भवती महिलाओं का सौ प्रतिशत प्रसव अस्पताल में कराने तथा स्तनपान को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य करें।"

–आनंदीबेन पटेल

गाइड समाज कल्याण संस्थान द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता कार्यक्रम

राजभवन : 13 जून, 2021

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता कार्यक्रम को राजभवन से आनलाइन संबोधित करते हुए मा० राज्यपाल।

"वृद्धावस्था जीवन का एक अटूट सत्य है। जीवन के यथार्थपूर्ण अनुभवों की वजह से वृद्धजनों का समाज में अपना एक अलग ही महत्व है। युवाओं को वृद्धों के अनुभवों का लाभ उठाना चाहिए। युवा अपने बुजुर्गों का ध्यान रखें क्योंकि उन्हें दवाई से ज्यादा अपनों के साथ की जरूरत होती है। अगर वे ऐसा करते हैं तो पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा मिलने के साथ ही युवाओं को दो पीढ़ियों के बीच के संबंधों को मजबूत बनाने की प्रेरणा मिलेगी।"

– आनंदीबेन पटेल

मातृ दिवस पर आम्बा फाउण्डेशन द्वारा आयोजित वेबिनार

राजभवन : 09 मई, 2021

"हमारा देश महान संस्कृति और परम्पराओं वाला देश है, जहां लोग अपनी मां को प्रथम प्राथमिकता देते हैं। भारतीय संस्कृति में माता को मातृ देवो भवः कहा गया है। अतः बच्चों का दायित्व बनता है कि वे ऐसा कुछ करें, जिससे मां अच्छा अनुभव करे। केवल मातृ दिवस के अवसर पर ही मां का सम्मान न करें बल्कि मां के प्रति यह सम्मान सदैव बनाये रखें।"

–आनंदीबेन पटेल

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड की 50वीं बैठक आनलाइन सम्पन्न

राजभवन : 14 जून, 2021

"लाइब्रेरी में मौजूद दुर्लभ पेंटिंग का डिजिटाइजेशन करने के साथ ही प्रदर्शनी के माध्यम से इनका प्रदर्शन किया जाना चाहिए ताकि आम जन की जानकारी में ये पेंटिंग आये हमारी कला सबके सामने आनी चाहिये। उचित होगा कि रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के उत्थान एवं विकास के लिए प्राथमिकताएं निर्धारित की जाय तथा पुस्तकालय के विकास हेतु विभिन्न व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को भी प्रेरित किया जाय।"

– आनंदीबेन पटेल

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर के नवनिर्मित अतिथि-गृह 'तथागत अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र' का ऑनलाइन उद्घाटन

राजभवन : 17 जून, 2021

"सिद्धार्थनगर के कण-कण में भगवान बुद्ध की पावन स्मृति समायी हुई है। उनका दिव्य अहसास यहां चारों ओर फैला हुआ है निश्चित रूप से तथागत के नाम से जुड़ जाने से इस अतिथि गृह की भी महिमा बढ़ेगी। इससे इसके स्वरूप की भव्यता के साथ नाम में दिव्यता का भी समावेश हो गया है।"

– कुलाधिपति

किसान जैविक खेती की ओर ध्यान दें

राजभवन : 20 जुलाई, 2021

❖ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन लखनऊ से ऑनलाइन उदयभाण सिंह जी क्षेत्रीय प्रबंध संस्थान, गांधीनगर गुजरात के पी0जी0डी0एम0 एवं ए0बी0एम0 2021–23 के प्रवेश सत्र का ऑनलाइन शुभारम्भ किया।

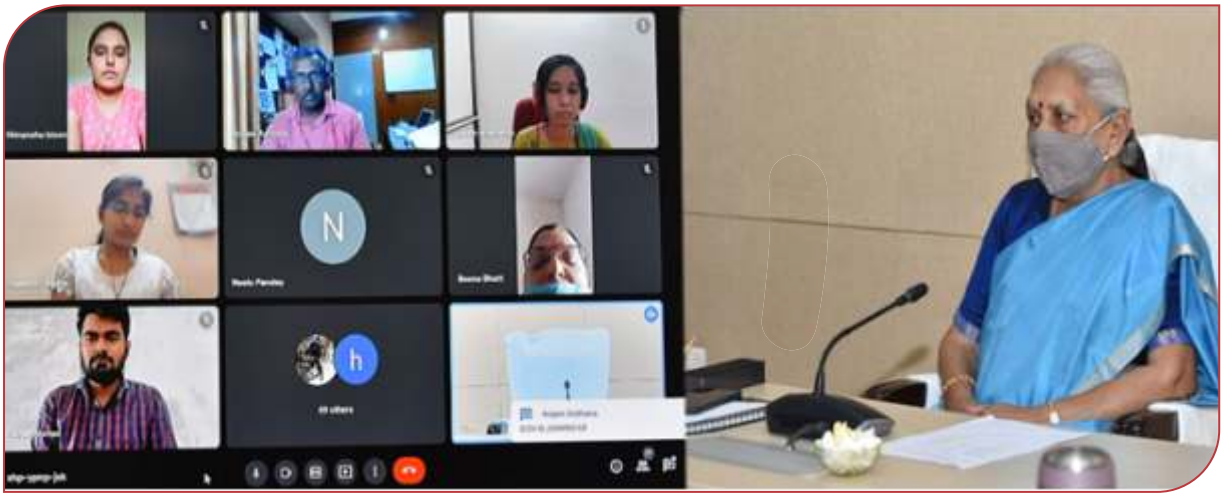

उदयभाण सिंह जी क्षेत्रीय प्रबंध संस्थान, गांधीनगर गुजरात के पी0जी0डी0एम0 एवं ए0बी0एम0 2021-23 के प्रवेश सत्र का शुभारम्भ करते हुए राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

"केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा किसान उत्पादक संगठन पर ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहन दिया जा रहा है। ताकि किसान सामूहिक रूप से अपनी खेती के उत्पादों को स्थानीय बाजार के साथ औद्योगिक इकाईओं को भी बेच सकें। केन्द्र सरकार ने पूरे देश में वर्ष 2024 तक दस हजार एफ.पी.ओ. को खड़ा करने का लक्ष्य रखा है। जिन राज्यों में रासायनिक खेती पर ज्यादा जोर दिया गया, उन राज्यों में खेती की उत्पादकता में कमी आई है। इसलिए भविष्य में किसानों को जैविक खेती की ओर ध्यान देना चाहिए। आज भारतीय बाजार में ही नही, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी जैविक खेती से उत्पादित अनाज, फल और सब्जियों की मांग ज्यादा है और खरीददार इसके लिए अधिक मूल्य भी चुकाते हैं। पढ़े लिखे कृषक परिवार से जुड़े लोगो को खेती करने से पहले वर्तमान और भविष्य की मांग को ध्यान में रखना चाहिए, जिससे उत्पादित माल का उचित मूल्य मिल सके।"

– आनंदीबेन पटेल

तीन कृषि विज्ञान केन्द्र के भवनों का आनलाइन लोकार्पण

राजभवन : 31 जुलाई, 2021

❖ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन लखनऊ से चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर से सम्बद्ध कृषि विज्ञान केन्द्र, लखीमपुर, फिरोजाबाद के प्रशासनिक भवन तथा दलीप नगर, कानपुर देहात के कृषक प्रशिक्षण सभागार का आनलाइन लोकार्पण किया।

मा० राज्यपाल ने कृषि विज्ञान केन्द्र लखीमपुर खीरी के प्रशासनिक भवन का लोकार्पण किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, फिरोजाबाद के प्रशासनिक भवन का राजभवन से आनलाइन लोकार्पण करती हुई मा० राज्यपाल।

कृषि विज्ञान केन्द्र, ढलीप नगर, कानपुर देहात के कृषक प्रशिक्षण सभागार का राजभवन से आनलाइन लोकार्पण करते हुए मा0 राज्यपाल।

"कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से नवयुवक व युवतियां प्रशिक्षण प्राप्त कर नये स्वरोजगार का सृजन कर गांव स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर रोजगार के अवसर भी पैदा करेंगे। केन्द्रों पर स्थापित समन्वित कृषि प्रणाली से प्रशिक्षण व ज्ञान प्राप्त कर कृषक आय को दोगुना कर पाने में सफल होंगे। इससे कृषि विकास के साथ-साथ हमारे ग्रामीण क्षेत्र की समृद्धि के द्वार भी खुलेंगे। साथ ही वहां स्थानीय रोजगार के अवसर भी विकसित होंगे।" आनंदीबेन पटेल

❐❐

लखनऊ : 29 जुलाई, 2021

मा.प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी नई शिक्षा नीति 2020 के एक साल पूरा होने के अवसर पर शिक्षा समुदाय को नई दिल्ली से वीडियों कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से सम्बोधित करते हुए, राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने भी आनलाइन सहभागिता की ।

❐❐

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दुर्व्यव्हार जागरूकता दिवस

लखनऊ : 15 जून, 2021

❖ अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दुर्व्यव्हार जागरूकता दिवस के अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उत्तर प्रदेश समाज कल्याण विभाग की ओर से प्रायोजित सार्वजनिक शिक्षा शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा हीरालाल नगर, सरोजनी नगर लखनऊ में संचालित वृद्धा आश्रम का भ्रमण किया।

❖ इस अवसर पर राज्यपाल ने राजभवन की ओर से लखनऊ के सरोजनी नगर तथा राजाजीपुरम् क्षेत्र में संचालित कुल तीन वृद्धाश्रमों में रह रहे वृद्धजनों के उपयोगार्थ 3 वाशिंग मशीन, 80 बेड सीट, 40 गददे एवं तकिया, 10 कूलर, 50 फोल्ड़िग बेड, 1 फ्रिज तथा 2 गैस चूल्हा आदि सप्रेम भेंट किये।

वृद्धजनों से भेंट करते हुए मा0 राज्यपाल।

वृद्धाश्रम के सहायतार्थ उपलब्ध करायी गयी सामग्री का निरीक्षण करते हुए मा0 राज्यपाल।

"हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की है। अतः परिवार का मतलब एक दूसरे की सहायता करना तथा एक दूसरे के सुख-दुख में भागीदार बनना है। ऐसे संस्कार हमें अपने बच्चों को देना चाहिए। इसी कारण आज हम यहां अपने राजभवन की 5 बेटियों को लाये है ताकि वे यहां की व्यवस्था तथा रह रहे वृद्धजनों से उनके अनुभव जान सकें। यह प्रसन्नता की बात है कि सभी संवासी यहां भाई-बहन बनकर एक दूसरे के सुख-दुख के भागीदार बन रहे हैं।"

– आनंदीबेन पटेल

नादरगंज कान्हा उपवन का निरीक्षण

लखनऊ : 19 जुलाई, 2021

- उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ के नादरगंज कान्हा उपवन पशुशाला में नन्दीशाला, रोहिणीशाला, कान्हा बालसखा क्षेत्र, नन्दिनीशाला, श्री कृष्ण गौशाला आदि का निरीक्षण किया तथा गाय को गुड़ खिलाया।
- गौमय उत्पाद कार्यशाला, सिद्धार्थ पशु पक्षी चिकित्सा केन्द्र एवं चिकित्सालय में निर्मित ट्रामा सेंटर का निरीक्षण किया तथा बीमार एवं घायल पशुओं के उपचार के निर्देश दिये। इसके साथ ही वहां पर स्थापित गोबर गैस संयंत्र का भी निरीक्षण किया।
- राज्यपाल जी ने गौमय उत्पाद कार्यशाला में गोबर और गोमूत्र से निर्मित धूपबत्ती, अगरबत्ती, दिया, गमले, गाय के गोबर से निर्मित लट्ठे, फिनायल आदि उत्पादों का निरीक्षण कर सराहना की और उत्पाद प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर राज्यपाल जी ने कान्हा उपवन में आम का पौधा भी रोपित किया।

नादरगंज कान्हा उपवन पशुशाला में आम का पौधा रोपित करते हुए राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

नादरगंज कान्हा उपवन पशुशाला में गाय को गुड़ खिलाती हुई मा० राज्यपाल।

गाय के गोबर एवं मूत्र से निर्मित उत्पादों का अवलोकन करते हुए मा० राज्यपाल।

झांसी भ्रमण

झांसी : 4 जुलाई, 2021

राज्यपाल ने वन महोत्सव पर आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में झाँसी के निकट सिमरधा डैम में हरिशंकरी पौधों (पीपल, पाकड़ व बरगढ) का रोपण किया।

मा0 राज्यपाल ने झाँसी स्थित जेल की महिला कैदियों के उपयोगार्थ वाटर कूलर, फ्रिज, आर0ओ0, दस सिलाई मशीन तथा बच्चों के लिये दो साइकिल दिये।

झाँसी स्थित वृद्धाश्रम को 02 वाशिंग मशीन, 08 कूलर, 01 डीप फ्रीजर, 02 फ्रिज, 01 गैस चूल्हा बड़ा, 40 गद्दे, 80 बेडशीट व 40 तकिया सहित अन्य सामग्री मा0 राज्यपाल ने प्रदान किये।

लाभार्थी को मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत प्रमाण-पत्र देते हुए, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाये गये उत्पादों का अवलोकन करते हुए मा. राज्यपाल

वाराणसी में आंगनवाड़ी केंद्र का भ्रमण

वाराणसी : 16 जुलाई, 2021

❖ राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से जनपद वाराणसी के 14 आंगनवाड़ी केन्द्रों को वाराणसी जनपद के इंजीनियरिंग कालेज के माध्यम से ट्राई साइकिल, फर्नीचर, खिलौने, किताबें, बर्तन, फस्ट एड बॉक्स आदि का वितरण किया गया। राज्यपाल जी ने वाराणसी में पिंडरा विकासखंड के आंगनवाड़ी केंद्र गंगापुर का भ्रमण कर वहां के 30 बच्चों को फल व मिष्ठान खिलौने, बर्तन, फर्नीचर आदि उपहार दिए खिलौनों में बच्चों की छोटी साइकिल, घोड़े के खिलौने आदि उपहार दिए जबकि शेष 13 आंगनवाड़ी केन्द्रों में जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों ने सामग्री वितरित की।

❖ राज्यपाल जी ने कार्तिकेय व बेबी को खीर खिलाकर अन्नप्राशन कराया और मीरा देवी, गीता देवी व मनीषा देवी को फल, मिष्ठान, मेवा, अनाज की डलिया देते हुए गोद भराई की तथा दो बच्चों अविरल व शोहित को पोषण पोटली दी।

वाराणसी में पंचायत भवन के प्रांगण में वट वृक्ष का पौधा रोपित करती हुई मा0 राज्यपाल।

गर्भवती महिलाओं को फल, मिष्ठान आदि देते हुए मा0 राज्यपाल।

आंगनवाड़ी केंद्र, गंगापुर के बच्चों को फल व मिष्ठान, खिलौने, बर्तन, फर्नीचर आदि उपहार देते हुए मा0 राज्यपाल।

'उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना' का शुभारम्भ

लोकभवन, लखनऊ : 22 जुलाई, 2021

- ❖ राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने 'उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना' का शुभारम्भ किया। इस तरह की योजना लागू करने वाला उ0प्र0 देश का पहला राज्य है।
- ❖ राज्यपाल ने 'उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना' के 'लोगो' का लोकार्पण किया।
- ❖ योजना से लाभान्वित 4,050 निराश्रित बच्चों को 4,000 रु0 प्रतिमाह की दर से प्रत्येक बच्चे के खाते में 03 माह की धनराशि 12,000 रु0, कुल 486 लाख रु0 ट्रांसफर किया गया।

लोकभवन लखनऊ में 'उ0प0' मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लाभार्थी निराश्रित बच्चों के खातें में बटन दबाकर 486 लाख रुपये की धनशशि ट्रांसफर करती हुई राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने लोकभवन लखनऊ में 'उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना' के 'लोगो 'का लोकार्पण किया

- ❖ राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने 10 बच्चों को प्रतीकात्मक रूप से योजना का स्वीकृति पत्र, स्कूल बैग, चॉकलेट, लंच बॉक्स, स्टेशनरी वितरित की, 02 बच्चों को टैबलेट प्रदान किया गया।
- ❖ 'उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना' के माध्यम से राज्य सरकार ने ऐसे निराश्रित बच्चों की अंगुली पकड़कर अभिभावक बनने का कार्य किया। जिन्होंने कोविड से अपने माता–पिता व अभिभावक को खोया है।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी लोक भवन, लखनऊ में 'उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना' के एक लाभार्थी निराश्रित बच्चे को स्वीकृति पत्र, स्कूल बैग, चॉकलेट आदि प्रदान करते हुए।

"राज्य सरकार ने कोविड–19 के संक्रमण के कारण अपने माता, पिता अथवा अभिभावकों को खोने वाले निराश्रित बच्चों के भरण–पोषण, शिक्षा एवं सुरक्षा के लिए 'उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना' का शुभारम्भ किया है। इस तरह की योजना लागू करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है। इसके माध्यम से राज्य सरकार ने निराश्रित बच्चों की अंगुली पकड़कर अभिभावक बनने का कार्य किया है। योजना के अन्तर्गत निराश्रित बच्चों की शिक्षा, सुविधा, स्वास्थ्य, भविष्य की शिक्षा आदि के सम्बन्ध में प्राविधान किये गये हैं।"

–आनंदीबेन पटेल

"राज्य सरकार द्वारा 'उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना' कोविड–19 के कारण अपने माता–पिता अथवा विधिक अभिभावक को खो देने वाले बच्चों के भरण–पोषण, शिक्षा, सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए प्रारम्भ की गयी है। जन सरोकारों के प्रति संवेदनशील सरकार की संवेदना दिखाई भी देनी चाहिए। यह संवेदना ही शासन एवं जनता को एक–दूसरे से जोड़ती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कोविड–19 से अपने माता–पिता अथवा संरक्षक को खोने वाले निराश्रित बच्चों के भरण–पोषण, शिक्षा, सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए योजना संचालित करने के लिए कहा था, इसी क्रम में यह योजना प्रारम्भ की गयी है। भारत सरकार द्वारा भी कोविड से प्रभावित बच्चों के सहयोग एवं सशक्तीकरण के लिए 'पी0एम0 केयर्स फॉर चिल्ड्रेन' योजना की घोषणा की गयी है।"

–योगी आदित्यनाथ

कानपुर के आंगनबाड़ी केन्द्रों को पठन-पाठन एवं खेलकूद सामग्री वितरण कार्यक्रम

कानपुर : 28 जुलाई, 2021

❖ राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में जनपद कानपुर नगर के 75 आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुविधा सम्पन्न बनाने हेतु आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया, जिसकी लागत 50,000 प्रति आंगनवाड़ी केन्द्र की दर से कुल 37,50,000 रूपये है।

❖ वितरित सामग्री में एजुकेशनल खिलौने, एबीसीडी, नंबर, पजेल, ब्लॉक्स, टॉय फल, टॉय एनीमल, एजुकेशनल मैप, प्लेबुक, पिक्टोरियल स्टोरी बुक, वाइट बोर्ड, वजन मशीन, हाईट गेज, फर्स्ट एड बॉक्स, हैण्डवास, ट्राई साईकिल, झूले, किड्स टेबल–चेयर एवं खाने के बर्तन आदि थे।

❖ छत्रपति शाहू जी महाराज से सम्बद्ध 40 कालेजों द्वारा 75 आंगनवाड़ी केन्द्रों को गोद लिया गया है।

75 आंगनवाड़ी केन्द्रों हेतु आवश्यक वस्तुओं के वितरण कार्यक्रम को सम्बोधित करतीं मा0 राज्यपाल।

❖ राज्यपाल जी एवं मा0 मुख्यमंत्री जी ने 4 से अधिक आंगनवाड़ी केन्द्रों को गोद लेने वाले कालेजों को प्रशस्ति–पत्र दिये।

आंगनवाड़ी कार्यकत्री को पठन-पाठन एवं खेल के सामान देतीं मा0 राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री।

"प्रदेश में मौजूद प्रत्येक विश्वविद्यालय, कॉलेज तथा प्राइवेट कॉलेज एक गांव को गोद लें तो गांवों की तस्वीर बदल सकती है। उत्तर प्रदेश में 58 हजार ग्राम पंचायतें हैं, जबकि यूनिवर्सिटी, कॉलेज तथा प्राइवेट कॉलेजों की कुल संख्या 60 हजार है। यह शिक्षण संस्थाएं यदि एक-एक गांव को गोद लेकर पांच साल तक केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को सही रूप में अमल में लायें तो पांच साल में उत्तर प्रदेश की सूरत बदल सकती है। सामाजिक परिवर्तन लाना है तो सबको मिलकर कार्य करना होगा। अपने प्रदेश के कौशल व ताकत को आगे ले जाने में मदद करें तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लेकर सामाजिक परिवर्तन लाने का कार्य करें।" -आनंदीबेन पटेल

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कानपुर नगर के 75 आंगनवाड़ी केन्द्रों को सुविधा सम्पन्न बनाने हेतु आवश्यक सामग्री वितरित करते हुए।

"राज्यपाल जी की अभिनव पहल से शिक्षा केन्द्रों को समाज से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया गया है। इस कार्य में सभी सहयोगी संस्थाओं का प्रयास सराहनीय रहा है। आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लेना और उन्हें बिना किसी शासकीय सहयोग के सुविधा सम्पन्न बनाना एक अभिनन्दनीय पहल है। आंगनबाड़ी केन्द्रों में 3-5 वर्ष के बच्चे आते हैं। यह वह समय है, जहां पर हम उन्हें जैसी दिशा देना चाहेंगे, उनका आगे का जीवन हमें उसी रूप में बढ़ता हुआ दिखायी देगा।" -योगी आदित्यनाथ

माधव हैप्पी ओल्ड एज होम वृद्धाश्रम का निरीक्षण

औरैया : 29 जुलाई, 2021

❖ राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने जनपद औरैया के ग्राम आनेपुर में स्थित माधव हैप्पी ओल्ड एज होम वृद्धाश्रम का निरीक्षण कर वृद्धाश्रम के संचालकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को वहां व्याप्त समस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिये तथा वृद्धजनों की सुविधा हेतु वृद्धाश्रम को वाशिंग मशीन, फ्रिज व सिलाई मशीन, आर.ओ. स्टैण्ड हैण्ड उपलब्ध करायी गई, जिसकी कुल लागत ₹ 47,300 है।

माधव हैप्पी ओल्ड एज होम वृद्धाश्रम में वृद्धजनों हेतु उपलब्ध कराए गए सामानों का निरीक्षण करते हुए मा० राज्यपाल।

"बुढ़ापा जीवन का सत्य है। जीवन के इस पड़ाव में अपने ही सहारा बनते हैं। इसलिए माता-पिता बच्चों को पढ़ाते हैं और जीवन की सही राह दिखाते हैं ताकि वह परिवार और समाज के मददगार बन सकें। लेकिन वृद्धावस्था में कुछ नासमझ बच्चे बड़े होने के बाद राह भटक जाते हैं जिस कारण बूढ़े माता-पिता को इधर-उधर भटकना पड़ता है। हमें उनकी पीड़ा को समझना चाहिए।" – राज्यपाल

स्वयं सहायता समूह, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा कृषक उत्पादक संगठन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

औरैया : 29 जुलाई, 2021

- राज्यपाल जी ने औरैया स्थित गैस अथारटी आफ इण्डिया लि0 के सरगम हाल में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, प्रगतिशील कृषकों तथा कृषक उत्पादक संगठन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।
- राज्यपाल जी की प्रेरणा से 1 अप्रैल, 2021 से 27 जुलाई, 2021 तक जनपद औरैया में 61 टी0बी0 रोगियों को गोद लिया गया है, जिसमें जायंट्स ग्रुप आफ द्वारा 20, संवेदना ग्रुप द्वारा 10, आई0एम0 द्वारा 5 एवं जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा 26 बच्चों को गोद लिया गया।
- राज्यपाल जी ने 5 बच्चों को पोषण किट वितरित की तथा गेल परिसर में एक पौधा रोपित किया।

मा0 राज्यपाल जनपद औरैया के गेल परिसर में रूद्राक्ष का पौधा रोपित करते हुए।

मा. राज्यपाल ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

क्षय रोग ग्रसित बच्चे को पोषण किट देते हुए मा0 राज्यपाल।

छायाचित्रों में राजभवन

5 मई, 2021

राजभवन में आयोजित कोविड-19 टीकाकरण कैम्प में 45 वर्ष से अधिक आयु के राजभवन कर्मी व उनके परिजनों का टीकाकरण।

27 मई, 2021

मा0 राज्यपाल से मा0 मुख्यमंत्री ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की।

5 जून, 2021

मा0 राज्यपाल ने स्व0 अंजली पण्ड्या को राजभवन से आनलाइन श्रद्धांजलि दी।

9 जून, 2021

राज्यपाल जी ने श्रीमती सीमा त्रिपाठी द्वारा रचित पुस्तक 'अनकही अभिव्यक्ति' का विमोचन किया।

13 जून, 2021

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मनोनीत मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री संजय यादव को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

19 जून, 2021

विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश की पत्रिका 'सृष्टि संवाद भारती' का विमोचन करते हुए राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

24 जून, 2021

मा0 राज्यपाल को पुस्तक 'हठयोग' भेंट करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

30 जून, 2021

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्या सपरिवार राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से मुलाकात करते हुए।

1 जुलाई 2021

भारतीय स्टेट बैंक में कार्यरत महिला कर्मियों हेतु 'सखी परियोजना' का शुभारम्भ करते हुए मा0 राज्यपाल जी।

3 जुलाई 2021

उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक श्री मुकुल गोयल ने राजभवन में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट की।

20 जुलाई 2021

जैव चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र लखनऊ के निदेशक डॉ. आलोक धावन नवीनतम शोध कार्यों संबंधित एक विवरणिका मा. राज्यपाल को दी।

20 जुलाई 2021

मा0 राज्यपाल जी ने एस.जी.पी.जी.आई. जाकर उ0प्र0 के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल श्री कल्याण सिंह से मिलकर उनके स्वास्थ्य लाभ की जानकारी ली।

समाचार पत्रों में राजभवन

समाचार पत्रों में राजभवन

UP launches scheme for Covid orphans

State govt starts plan to back 4,050 Covid orphans

'अपने बच्चों को लेकर जाएं आंगनबाड़ी केंद्र'

हवा में उड़ने, बड़ी गाड़ियों से चलने वाले फील्ड में उतरें, तभी यूपी बनेगा मॉडल

आंगनबाड़ी केंद्रों को मिले खिलौने-किताबें और बर्तन

विवि पांच और कॉलेज एक-एक गांव गोद लें

दुनियाभर में सराहा गया यूपी मेडिसिन किट मॉडल

एचबीटीयू का पूरा काम ऑनलाइन करें

खरगोश व तीतर की कथा पढ़ लोटपोट हो जाएंगे बच्चे

'टीवी से ग्रसित बच्चों को गोद लें अफसर व डाक्टर'

'समाज के लिये आगे आयें उद्यमी'

बुढ़ापा जीवन का सत्य, माता और पिता का सहारा बनें बच्चे : राज्यपाल

Guv inaugurates Panchtantra Van

नकल की रोकथाम को चले जागरूकता अभियान

उद्यमिता विकास को लेकर आगे आएं विवि व एमएसएमई: राज्यपाल

लेदर इंडस्ट्री की दिक्कतें होंगी दूर सीएम से बात करेंगी राज्यपाल

किसान 100% जैविक खेती करें : राज्यपाल

आर्गेनिक खेती करने वाले किसानों को मंडी में दिलाएं स्थान : राज्यपाल

बुढ़ापा जीवन का सत्य है, बच्चे अपने माता-पिता का सहारा बनें

कृषि विशेषज्ञ नवीनतम शोध किसानों तक पहुंचायें-राज्यपाल

वृद्धाश्रम, हीरालाल नगर, सरोजनीनगर, लखनऊ का भ्रमण

कान्हा उपवन, लखनऊ

मुद्रकः प्रकाश पैकेजर्स, प्रथम तल, शगुन पैलेस,
सप्रू मार्ग, लखनऊ–01। टोल फ्री नं. : 1800 180 5304